

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



नेक इदादा निभा रहे वादा कुशल नेतृत्व का दिव रहा परिणाम



पंचायती राज, राजस्व, वित्त और खाद्य आपूर्ति विभाग
अंतर्गत नवनियुक्त हजारों युवाओं को
दार्दिक शुभकामनाएं और जोहार

पूरे 360 डिग्री पर घूम गयी है लालू-नीतीश की राजनीति

■ बिहार की सियासत के दो धुरंधरों के स्टैड में है बहुत सारी समानताएं

■ कांग्रेस विरोध से शुरू होकर आज उसके लिए बैटिंग करने तक पहुंचे

बिहार के दो अलग-अलग जिलों के गांवों से निकल कर राष्ट्रीय राजनीति में अपनी पहचान बनानेवाले दो शरिक्यताओं, लालू यादव और नीतीश कुमार इन दिनों गैर-भाजपा दलों की एकता और 2024 में होनेवाले मुनाव में भाजपा को हराने के लिए एडी-वीटी का जोर लगाये हुए हैं। इन दृष्टियों में वे सफल होंगे या नहीं, यह बाद की बात है। लाकन इन दोनों नेताओं पर एक बात समान रूप से लागू होती है और वह यह कि इन दोनों की राजनीति पूरे 360 डिग्री पर घूम गयी है। लालू और नीतीश

इन दिनों बिहार की सत्ता के साझीदार तो हैं ही, इनका राजनीतिक सफर कांग्रेस विरोध से शुरू हुआ था और आज ये दोनों उसी कांग्रेस के पक्ष में खड़े दिखाई दे रहे हैं। गोपालगंज के फुलवरिया से निकले लालू में स्थापित हो गयी है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के द्वारा बहुत पहले कांग्रेस के पक्ष में खुल कर उत्तर आये थे, संपूर्ण क्रांति आंदोलन की उपज इन दोनों नेताओं की यह

लेकिन नालंदा के हरननीत कल्याण बिंगड़ा से निकले नीतीश कुमार की पहचान आज सत्ता के लिए कुछ भी करनेवाले नेता के रूप में स्थापित हो गयी है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के द्वारा बहुत पहले कांग्रेस के पक्ष में खुल कर उत्तर आये थे, लोगों को अच्छी नहीं लग रही है, तो उसका एक कारण है कि राजनीति में कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता, लेकिन किसी नेता का इतना बड़ा यू-टर्न और वह भी सत्ता के लिए इससे पहले याद नहीं हो देखा गया होगा। लालू यादव और नीतीश कुमार की पहचान जिस तरह की राजनीति के लिए है, उससे विपरीत जाकर वे क्या कुछ हासिल कर सकेंगे, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संघादाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

आज से करीब साढ़े चार दशक पहले इसी जून महीने में जहां बिहार की राजधानी पटना समेत देश के दूसरे हिस्से में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में तकालीन कांग्रेस सरकार के खिलाफ लोगों का हुजूम उमड़ रहा था, वहीं आज एक बार फिर पटना पर देश भर की निगरहें हैं। वह सही बात है कि संपूर्ण प्रतीक आंदोलन के बाद से गंगा में बहुत पानी बह चुका है, लोकनायक के नेतृत्व में जहां पटना के तौर पर देखा जा रहा है। 48 साल से अधिक के राजनीतिक करियर में नीतीश कुमार इस तरह के कई दौर से गुजरे होंगे। वह सियासी उत्तर-चाहाव में पार्टिपुत्र की धरती से लुट्रियन की ताज पर राज करने का ख्वाब पाले हुए है। तैयारी भले ही पठाने में की जा रही है, मगर नजर बल्ली के लालकिटे पर है। पहली बाद नीतीश कुमार राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दोनों को लामबंद करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। 2024 के चुनावों में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के खिलाफ 'मिशन तख्त-ओ-ताज' पर लगे हैं। उनके इस प्रयोग के अनुग्रह बने हैं। इन दोनों नेताओं के बीच एक बड़ी विपक्षीय राजनीतिक केंद्र में आ गया है। पूर्व कांग्रेसी और अब तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी के सुझाव पर कभी उपज इन दोनों नेताओं का राजनीतिक सफर जहां से शुरू हुआ था, वहां से पूरे 360 डिग्री पर लगे हैं। यानी जो लालू-नीतीश लोकनायक के



पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष के खिलाफ पटना में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष के खिलाफ पटना में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

पटना में विपक्ष की बैठक का जीपी कनेक्शन

जेपी आंदोलन के 49 साल बाद यह पहला भौमिका था, जब केंद्र की सत्ता के खिलाफ विपक्षी पार्टी की इन्हीं बैठक में केंद्र के क्षेत्रों में केंद्र के विपक्ष के नेतृत्व में उत्तर थे, वे आज उसी कांग्रेस के समर्थन में कैसे खड़े हैं।

आजाद सिपाही



मिशन 2024 : पटना में विपक्षी दलों की मेगा बैठक

एक साथ चलने, एक साथ चुनाव लड़ने पर बनी सहमति

- अगली बैठक 10 से 12 जुलाई के बीच शिमला में
- सीट शेयरिंग समेत अन्य बातों पर किया जायेगा मंथन

आजाद सिपाही संघाददाता

पटना। मिशन 2024 लोकसभा चुनाव पर पटना में शुरुआत को विपक्षी दलों (गैर भाजपाई) की मेगा बैठक हुई। यह बैठक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास 1 अणे मार्ग में ढाई घंटे तक चली। बैठक में 15 पार्टियों के नेता भी जूदे रहे। इसमें एक साथ चलने और एक साथ चुनाव लड़ने पर सहमति बनी। विशेष एकता की दूसरी बैठक शिमल में होगी। यह बैठक 10 से 12 जुलाई के बीच हो सकती है। बैठक के बाद एक साथ खड़े हैं। सभी धारों में थोड़े-थोड़े फिरेसेज हैं, लेकिन एक साथ काम करेंगे। आज जो बातचीत की है, उस अगली बैठक में और आगे बढ़ायेंगे। नेताओं के बीच इन मुद्दों पर हुई बैठक में नेताओं के बीच



मीटिंग में अंतिम रूप दिया जायेगा, कौन कहा से, कैसे लड़ेगा। मीटिंग में भाग लेने पहुंचे राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान की नींव पर पर हमला हो रहा है। भाजपा-आरप्स-एस आक्रमण कर रही है। यह बैठक 10 से 12 जुलाई के बीच हो सकती है। बैठक के बाद एक साथ खड़े हैं। सभी धारों में थोड़े-थोड़े फिरेसेज हैं, लेकिन एक साथ काम करेंगे। आज जो बातचीत की है, उस अगली बैठक में और आगे बढ़ायेंगे। नेताओं के बीच इन मुद्दों पर हुई बैठक में नेताओं के बीच

लगभग छह मुद्दे पर बातचीत हुई। इनमें भाजपा के खिलाफ विपक्ष का एक प्रत्याशी देने, भाजपा के खिलाफ बनवाले गढ़वंधन का नाम, कॉमन पिनिम प्रोग्राम, सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला आदि शामिल है। वहाँ, अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के अध्यक्ष केजरीवाल ने लोकतंत्र सेवा को लेकर बात उठायी और कांग्रेस को समर्थन देने की बात कही। वहाँ, उमर अब्दुल्ला ने धारा 370 का मामला उठाया। बैठक में 15 पार्टियां शामिल : विपक्षी दलों की बैठक में नेताओं के बीच

पार्टियां शामिल हुई। इनमें जदयू, टीएसपी, राजद, आप, डीपीएम, सीपीआइ (माले), एनसीपी, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुरु), सपा, ज्ञामुमो और एनसीपीयु शामिल थे। वहाँ, अरविंद केजरीवाल ने लोकतंत्र सेवा को लेकर बात उठायी और कांग्रेस को समर्थन देने की बात कही। वहाँ, उमर अब्दुल्ला ने धारा 370 का मामला उठाया। बैठक में 27 नेता हुए शामिल : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, एनसीपी के

सुप्रीमो शरद पवार, झारखण्ड के कांग्रेस, राजद, आप, डीपीएम, सीपीआइ (माले), एनसीपी, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुरु), सपा, ज्ञामुमो और एनसीपीयु शामिल थे।

पीएम ने अमेरिकी संसद को दूसरी बार संबोधित किया भारत जल्द तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा: नरेंद्र मोदी

- 14 बार स्टैंडिंग ओवेशन मिला

एजेंसी

वॉशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार देर रात अमेरिकी संसद को दूसरी बार संबोधित किया। इस दौरान अमेरिकी संसदद्वारा की गड़ी-डाकौट के साथ उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत में संसद को धनवाद दिया। भारत और अमेरिका के शिरों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि एआई का मतलब है, अमेरिका और भारत के बीच एक सम्पादित सम्बन्ध है। पूरे भाषण में दौरान उन्हें अमेरिकी संसद में 14 बार स्टैंडिंग ओवेशन मिला।



करना एक बड़ा सम्मान है। इस सम्मान के लिए मैं भारत की 1.4 अरब जनता की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। पिछले साल भारत ने आजादी के 75 साल पूरे किये हैं। हमने किसी न किसी रूप में हजारों वर्षों के विविध शासन के बाद भी प्राभाव है। भारत लोकतंत्र की जननी है। हमारी 2500 पार्टियां हैं। हमारी 22 अंतर्राष्ट्रीय भाषाएं हैं। हजारों बोली हैं। हर 100 मील पर राघव चौहा, संजय सिंह, डी राजा, सीटीराम देवेंद्र कांग्रेस, भद्राचार्य, सीटीराम देवेंद्र, महबूबा गुरु, सुप्रीया सुले, उमर अब्दुल्ला, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, संजय राजत, संजय ज्ञा, ललन सिंह और अधिके बनजी बैठक में मौजूद थे।

स्थापित करेगा तो अन्य देश भी इससे प्रेरित होंगे। हमारा विजय है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास।

मोदी ने कहा कि 9/11 हमले और मुंबई में 26/11 हमले के एक दशक से अधिक समय के बाद भी अभी तक कट्टवाद और अतंकवाद मानवता के लिए गंभीर खतरा है। ये विचारधाराएं नवी पहचान और नवा रूप लेती रहती हैं, लेकिन इनके द्वारा वही वही हैं। आतंकवाद मानवता का दुम्पन है और इससे निपटने में कोई किंतु-परंतु नहीं हो सकता। हमें आतंक को बढ़ावा देनी वाली ताकतों पर काबू पाना होगा।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की आबादी का छठा हिस्सा है। ये विचारधाराएं नवी पहचान और नवा रूप लेती रहती हैं, लेकिन इनके द्वारा वही वही हैं। आतंकवाद मानवता का दुम्पन है और इससे निपटने में कोई किंतु-परंतु नहीं हो सकता। हमें आतंक को बढ़ावा देनी वाली ताकतों पर काबू पाना होगा।

पटना में आयोजित विपक्षी दलों की बैठक में किसने क्या कहा

हनुमान जी ने भाजपा को गदा मारा है: लालू लालू यादव ने कहा कि अब मैं पर्सी तरह से किए हैं। और अब भाजपा को भी पूरी तरह पिट कर देना है। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि मोदी तो अमेरिका जाकर चंदन की लकड़ी बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कांपाकर चंदनों में हनुमान जी के सहारे तरह पीछे दिया। हनुमान जी ने ही उन्हें दिया। हनुमान जी अबकी बार हमारे साथ हैं और उन्होंने भाजपा को गदा मारा है।

सीट शेयरिंग की बात पर नीतीश ने बल दिया

नीतीश ने कहा कि पटना में सबसे अच्छी मुलाकात हुई है। एक साथ चलने पर सहमति भी हुई है। आगे एक और बैठक होंगी। यह बैठक अगले महीने होगी। हम सब साथ मिल कर चलेंगे। नीतीश कुमार ने सभी को आशासन दिया कि विपक्षी एकता की क्रायात्मक आगे भी जारी रहेंगी और मजबूती की बैठक में होगी। उन्होंने भैंसी बैठक में सीट शेयरिंग की बात पर बल दिया।

ये विचारधारा की बात है, हम साथ हैं : राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दलों को तरह तरह तो यह बात है। यह बैठक में बहुत खड़े होंगे। यह बैठक में बहुत खड़े होंगे।

साथ मिल कर काम करना होगा: खड़गे

मिल कर देश को बचायेंगे: अखिलेश

विपक्षी दलों को तरह तरह तो यह बात है। यह बैठक में बहुत खड़े होंगे। यह बैठक में बहुत खड़े होंगे।

साथ मिल कर काम करना होगा: खड़गे

मिल कर देश को बचायेंगे: अखिलेश

विपक्षी दलों को तरह तरह तो यह बात है। यह बैठक में बहुत खड़े होंगे। यह बैठक में बहुत खड़े होंगे।

पुराने अंदाज में दिखे लालू यादव, राहुल गांधी से कहा

‘महात्मा जी’ अब तो शादी करिए...

आनेवाला चुनाव जनांदोलन बन जायेगा: हेमंत जायेगा : हेमंत

हेमंत सोरेन ने कहा कि आनेवाला चुनाव जनांदोलन बन जायेगा। कही न कही आज इस लोकतंत्र में कुछ चीजें पर नेता से हमला हो रहा है।

किसान, मजदूर और वोरेजार लोगों के बीच की स्थिति आप लोगों को तरा है। सिद्धियों से शोषित वर्ग के शोषण झेलना पड़ रहा है। विपक्ष दलों को एक मंच पर लाने के लिए मैं सीटम नीतीश कुमार को वर्चावद देता हूं। विपक्षी दलों का यह जुड़वा भील का पत्थर चाहत होगा। इंडियनदार और संकलित सोच के साथ लड़ाई जीती जा सकती है।

मिल कर देश को बचायेंगे: अखिलेश

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इन्होंने लोगों के बीच तो यह जुटे हैं, ये कोई मामूली बात नहीं है। हमारा अलंग-अलंग तरह से काम करना पड़ेगा। हम लोग एक्युन्युट देते हैं।

देश को बचाना है : उमर अब्दुल्ला

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इन्होंने लोगों के बीच तो यह जुटे हैं, ये कोई मामूली बात नहीं है। हमारा अलंग-अलंग तरह से काम करना पड़ेगा। हम लोग एक्युन्युट देते हैं।

सांप्रदायिक साजिश करते रहे हैं: पावर

शरद पवार ने कहा कि देश के सांप्रदायिक साजिश करते रहे हैं। हम सब साथ हैं। जहां-जहां भाजपा की सरकार बनी है, वहाँ सांप्रदायिक साजिश चल रही है।

हजारीबाग/कोडरमा

भारतीय वैश्य महासभा ने किया वृक्षारोपण



कोडरमा (आजाद सिपाही)। भारतीय वैश्य महासभा कोडरमा की ओर से स्थानीय दिवस पर झूमरी तिलेया पार्क में वृक्षारोपण कार्य युवा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

जिसमें मुख्य रूप गिलोई, नीम, सागरन, सीसम, गुलमोहर जैसे पौधे का पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अंतिम जिला अध्यक्ष कर्पसिमे, महिला जिला अध्यक्ष सुषमा सुमन ने उपस्थित हुई। युवा जिला अध्यक्ष सुजीत नायक ने कहा कि प्रयोगिरण का सरक्षण हमारी सामाजिक राष्ट्रीय व नेतृत्व जिम्मेदारी है, हमें पर्यावरण का देहन करने से बचाने होंगा। अध्यक्ष रवि कर्पसिमे ने कहा कि यह वृक्ष हमारे माता-पिता के समान है, प्रकृति की रक्षा और शुद्ध हवा ऑप्सिजन प्रास करने के लिए वृक्ष लगाना अत्यंत आवश्यक है। महिला जिला अध्यक्ष सुषमा सुमन ने कहा कि सासे हो रही है कम, आओ पैदल लगाए हम। कोडी आज यांत्रिक इलाईट बैठा हुआ है बचाके किसी ने कार्यान्वयन में एक पौधा लगाया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य रूप से रोहित जायसवाल, अमर गुरु, योगी प्रदीप सुमन, जीतू कुमार, नमुन मोदी, उदय चंद्र किशोर, समाजसेवी अमन कर्पसिमे, कोलेश्वर कुमार व अन्य लोग मौजूद थे।

कबड़ी और खो-खो प्रतियोगिता संपन्न

झुमरीतिलेया (आजाद सिपाही)। विद्या विकास समिति झारखंड के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय 34 वां प्रांतीय कबड्डी और खो-खो खेलकूद



समारोह का भव्य आयोजन विद्यालय के अधित्य में संपन्न हुआ। इस प्रांतीय कार्यक्रम में पूर्ण रूप से रोहित जायसवाल एवं सरकारी विद्यालयों की सहभागिता रही, जिसमें 380 भेग और 283 बहने प्रतियोगियों प्रतियोगियों के रूप में भाग लिया। संगीत कार्यक्रम में प्रथम देरु प्रयास किए जा रहे हैं।

5 से 18 वर्ष के सभी बच्चों की शिक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राधिकृति की ओर से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, काषायक्ष और सर्व सह सर्व द्वारा सामूहिक बधाई और प्रशंसा की गयी। यौंके पर डॉ. शीरेन्द्र कुमार सिंह, विद्रोह प्रसाद, दीपेंद्र पिंडा, संजय महतो, मुना सिंह, पवन कुमार शर्मा, संजय महतो, युवा जिला अध्यक्ष, निहाल, अनीता ठाकुर, श्वेता श्रीवास्तव, रिमझिम सिंह आदि आवार्य- दीदी उपस्थित रहे।

इआरोनेट को लेकर बीएलओ और सुपरवाइजर को दिया गया प्रशिक्षण

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिला पंचायत संसाधन केंद्र, फरेंदा कोडरमा में उप निवाचन पदाधिकारी जयपाल सोये के द्वारा ई



आरो नेट 2.0 का मारकोंडे प्रथम के बीएलओ और सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में घर घर जाकर सर्वे करने और घर के द्विवाल पर स्टीकर विकाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। भ्रमण की दी तिथिया स्टीकर पर अकित करना है। कार्य 6, 6 ए, 6 बी 7 और 8 को अॅनलाइन भरने हेतु प्रोजेक्टर पर जानकारी दी गयी। सभी को बीएलओ एप्ल डाउनलोड करने और उसकी उपयोग करने की जानकारी दी गयी। लैप एड लॉड फोटो की मतदाता पहान कर से स्थानांतरित कर रखीन फोटो मतदाता पहचान पत्र में जोड़ने की कार्यवाई करने, अनुभव बनाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। उसके अवगत करने का भवन की व्याख्या दिया है, उसके अवगत करने का भी निर्देश दिया गया है। उप निवाचन पदाधिकारी ने जिलेवारियों से अपील करते हुए मतदाता सूची में नाम जुड़वा लें।

जिला खनन टारक फोर्स की बैठक

कोडरमा (आजाद सिपाही)। उपायुक्त आदिवाय रंजन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टारक फोर्स की समीक्षा बैठक किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने अवैध पत्रवर, क्रशर, अवैध बाल उताव, अवैध खनन के रोकथम के लिए पूर्व के बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन को बिन्दुवार समीक्षा करने हुये जिला खनन पदाधिकारी द्वारा की गयी कार्रवाई का व्याख्या दिया। उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी को अवैध खनन, परिवहन, भंडारण करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही जिला परिवहन पदाधिकारी और जिला खनन पदाधिकारी को अवैधलॉड वाहनों की जांच करते हुए व्याख्याता कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही क्रशरों का प्रदूषण जांच करने का भी निर्देश दिया। प्रदूषण सुधार के महेनगर क्रशरों को बांदरी वॉल और रास्ते के तरफ वृक्षारोपण करने का निर्देश दिया गया। अवैध रूप से ब्लू स्टोन का उत्तरन हो जाए। इस हेतु नियमित जाव करने का निर्देश जिला खनन पदाधिकारी को दिया गया। इस दौरान उपरोक्त के अलावे पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव, वन प्रयोग्य ल पदाधिकारी सुरज कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी संदीप कुमार मीना, अपर समाहर्ता अनिल तिकी, जिला परिवहन पदाधिकारी भागीरथ प्रसाद, जिला खनन पदाधिकारी दारोगा राय और संबंधित विभाग के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

महिला कामगार पाइनल ब्लास्ट से ज्ञालस कर घायल

जयनगर (आजाद सिपाही)। डीवीसी द्वारा संचालित एसआर ट्रोप कंपनी में कार्रवाई रमिला कामगार पाइनल के अंदर हुए पाइनल ब्लास्ट से ज्ञालस कर घायल हो गई। उल्लेखनीय है कि महिला का परिवार गोपाल सिंह भी पहले यही काम कराया था। बीमारी की हालत में उसकी मौत हो गई थी और प्रबंधन ने उसके जगह पर उसकी पती 34 वर्षीय आरती दीपि ग्राम बाज विवाह थाना टनकुपा जिला गया को काम पर रखा था। गुरुवार की दोपहर वह ज्लाट में काम कर रही थी इसी दीपराने हुए पाइनल विस्फोट में उसका दाहिना हाथ और चेहरा झुलस गया। फिरहाल घायल महिला का इलाज रिस्स राही में चल रहा है। कपनी द्वारा इसाई सी कार्ड नहीं होती के कारण बेहतर अस्पताल में उसका बेहतर इलाज नहीं हो पाया है। वहीं युवान के संविध विजय पासवान ने नाराजी जातारे हुए कहा कि लॉट के अंदर मजरूमों के लिए रेस्टर रूप की व्यवस्था नहीं है। उल्लेखनीय है कि जिला खनन के अवैध खनन भोजन भी प्रभावित है। बताते वर्ते कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने के कारण रास्ते से आने जाने वाले राहीयों के द्वारा उपयोग करने के चलते घायल खराब हो गया। वहीं विवालय के प्रभारी प्रधानाधिकारी अनंदर खालिकुरुशी ने बायाकों की विवालय गर्मी छुट्टी के पश्चात विवालय जब खोला गया, तर तो चला जाना दिया। उल्लेखनीय है कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने से आने जाने वाले राहीयों के द्वारा उपयोग करने के बायाकों के प्रभावित किया गया। बताते वर्ते कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने के कारण रास्ते से आने जाने वाले राहीयों के प्रभावित हैं। उल्लेखनीय है कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने के कारण रास्ते से आने जाने वाले राहीयों के प्रभावित हैं।

महिला कामगार पाइनल ब्लास्ट से ज्ञालस कर घायल

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के राजकीय उत्प्रयत्न मध्य विवालय खगराडीह में घायल कर्मचार रुद्र सर्वजीवन कोडरमा को एक-एक बूंद पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। बताते वर्ते कि विवालय के अवैध खनन भोजन भी प्रभावित है। बताते वर्ते कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने के कारण रास्ते से आने जाने वाले राहीयों के प्रभावित हैं। उल्लेखनीय है कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने के कारण रास्ते से आने जाने वाले राहीयों के प्रभावित हैं।

महिला कामगार पाइनल ब्लास्ट से ज्ञालस कर घायल

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के राजकीय उत्प्रयत्न मध्य विवालय खगराडीह में घायल कर्मचार रुद्र सर्वजीवन कोडरमा को एक-एक बूंद पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। बताते वर्ते कि विवालय के अवैध खनन भोजन भी प्रभावित है। उल्लेखनीय है कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने के कारण रास्ते से आने जाने वाले राहीयों के प्रभावित हैं। उल्लेखनीय है कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने के कारण रास्ते से आने जाने वाले राहीयों के प्रभावित हैं।

महिला कामगार पाइनल ब्लास्ट से ज्ञालस कर घायल

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के राजकीय उत्प्रयत्न मध्य विवालय खगराडीह में घायल कर्मचार रुद्र सर्वजीवन कोडरमा को एक-एक बूंद पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। बताते वर्ते कि विवालय के अवैध खनन भोजन भी प्रभावित है। उल्लेखनीय है कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने के कारण रास्ते से आने जाने वाले राहीयों के प्रभावित हैं। उल्लेखनीय है कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने के कारण रास्ते से आने जाने वाले राहीयों के प्रभावित हैं।

महिला कामगार पाइनल ब्लास्ट से ज्ञालस कर घायल

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के राजकीय उत्प्रयत्न मध्य विवालय खगराडीह में घायल कर्मचार रुद्र सर्वजीवन कोडरमा को एक-एक बूंद पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। बताते वर्ते कि विवालय के अवैध खनन भोजन भी प्रभावित है। उल्लेखनीय है कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने के कारण रास्ते से आने जाने वाले राहीयों के प्रभावित हैं। उल्लेखनीय है कि विवालय के छारदीवारी नहीं रहने के कारण रास्ते से आने जाने वाले राहीयों के प्रभावित हैं।

महिला कामगार पाइनल ब्लास्ट से ज्ञालस कर घायल

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के राजकीय उत्प्रयत्न मध्य विवालय खगराडीह में घायल कर्मचार रुद्र सर

संपादकीय

भारत का सॉफ्ट पावर

इसे महज संयोग नहीं कहा जा सकता कि प्रधानमंत्री ने देश में एक ऐतिहासिक अमेरिका यात्रा की शुरुआत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से हुई। उनकी यात्रा की शुरुआत होती, उससे पहले वह न्यूयॉर्क में थे और उन्होंने वहां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर हुए कार्यक्रम की अगुआई की जो इस मायने में वर्ल्ड रिकॉर्ड साबित हुआ कि इसमें सबसे ज्यादा देशों के लोग शामिल हुए। इस तरह कहा जा सकता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री का व्यापक तरने से ऐन पहले दुनिया के सबसे पुणे लोकतंत्र ने उसके सॉफ्ट पावर की ओर झलक देख ली। इसे अब तक चर्चित हो चुकी प्रधानमंत्री ने देश में भूमिका की कूटनीतिक शीली की खास विशेषता माना जा सकता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री ने देश में अपनी शामिल होती है, जो जाने अनजाने उसकी ताकत और प्रभाव में अच्छा खासा इजाफा कर देती है। अगर भारतीय डायरेसोर की ही बात की जाये तो प्रवासी भारतीयों की संख्या काफ़ी एक दिन में नहीं बढ़ी है, न ही विदेशों में इस समुद्र या का स्थान रातोंत ऊंचा हुआ है। यह प्रक्रिया बर्सों से चल रही थी। फिर भी प्रधानमंत्री ने देश के कार्यकाल के दौरान कूटनीति में इसका जैसा सुविचारित प्रयोग शुरू हुआ, वैसा पहले नहीं देखा गया था। इसका एक परिणाम हमें इस रूप में भी दिखता है कि जब किसी शिखर सम्मेलन में देशों के नेता पर देखते हैं, तो उनकी अनोन्हासिक चर्चा का विषय प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता भी होती है। इसी का एक उदाहरण इसी साल हिरोशिमा में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में देखा, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मोदी की मौजूदा यात्रा की तैयारियों का जिक्र करते हुए बताया कि पीएलआई के कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक लोगों की संख्या उन्हें हैरान कर रही है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने तकाल इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि उनके देश में भी मोदी बेहद लोकप्रिय है। निश्चित रूप से देश का यह सॉफ्ट पावर देश की विदेशी नीति को, किसी खास मसले पर उसके रूप को मजबूती देता है। इसी यात्रा के संदर्भ में देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और फर्स्ट लेडी जिल बाइडन के लिए जो तोहफे ले गए हैं वे भी काफ़ी कुछ कहते हैं। इन तोहफों में अन्य चीजों के अलावा मैसूर चंदन से बने खास बॉक्स में रखी 10 डिवियरों भी हैं। इनमें पंजाब का थी, राजस्थान का हाथ से बनाया हुआ 24 कैरेट हॉलमार्क बाला सोने का सिक्का, महाराष्ट्र का गुड़, उत्तराखण्ड का चावल, तमिलनाडु का तिल, पश्चिम बंगाल के कारीगरों का बनाया हुआ चावी का नारियल, मैसूर चंदन का एक टुकड़ा, गुजरात का नमक और राजस्थानी कारीगरों का बनाया हुआ शुद्ध चांदी का सिक्का शामिल है। ऐसा नहीं कि इस तरह के तोहफे पहले नहीं ले जाये गये, पर अब यह ज्यादा व्यापक और सुविचारित पहल का दिस्ता है और इसीलिए भारत के प्रभाव विस्तार में खास भूमिका निभा रहे हैं।

अभिमत आजाद सिपाही

हमें इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि पीएलआई योजना के अलावा में मोबाइल एवं उसके घटकों के आयात का व्याह दृढ़ होता और जैसाकि अन्य देशों के अनुभवों से स्पष्ट है, इनकी आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने में किंतु समय लगा होता। यीने 25 वर्षों में 1.3 ट्रिलियन अनेकों डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग जैसे स्मार्टफोन के प्रमुख घटकों के निर्माण की शक्ता का अभाव है।

क्यों मोबाइल फोन के क्षेत्र में भारत की प्रगति मैन्यूफैक्चरिंग की दृष्टि से एक बड़ी सफलता है!

राजेश कुमार सिंह एवं कुमार वी प्रताप हाल में अखबारों में छपे कई लेखों ने इस आशय की एक धारणा बनाने की कोशिश की है कि भारत में कम मूल्यवर्धन के कारण मोबाइल फोन के नियात बढ़ावा देने में उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की भूमिका सदिग्दर रही है।

इस तरह की आलोचना में निम्नलिखित प्रमुख तत्व शामिल होते हैं: - केवल सोमा शुल्क की ऊंची दर लागू करने के कारण ही मोबाइल का शुद्ध आयात सकारात्मक हो गया है; पीएलआई योजना की धोणांश के बाद से भारत आयात पर निर्भर हो गया है और इस बात का नास्त्रे के दौरान भारत में होने वाले मूल्य वर्धन से अधिक हो सकता है; पीएलआई योजना की धोणांश के बाद से भारत आयात पर निर्भर हो गया है और इस बात का नास्त्रे के दौरान भारत में होने वाले मूल्य वर्धन से अधिक हो सकता है; पीएलआई योजना के तहत किए जाने वाले प्रोत्साहन का भुगतान भारत में होने वाले मूल्य वर्धन से अधिक हो सकता है; पीएलआई योजना की धोणांश के बाद से भारत आयात पर निर्भर हो गया है और इस बात का नास्त्रे के दौरान भारत में होने वाले मूल्य वर्धन से अधिक हो सकता है;

सीमा शुल्क नीति में बदलाव उत्पादन और नियात संबंधी घेरेलू क्षमताओं को बढ़ाने की एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। वर्ष 2015 की तुलना में, अब भारत में उपयोग किए जा रहे 99.2 प्रतिशत मोबाइल बढ़ेडेर भारत में ही नियात है।

पीएलआई के बाद से भारतीय व्यापारों से स्पष्ट है:

सीमा शुल्क नीति में बदलाव उत्पादन और नियात संबंधी घेरेलू क्षमताओं को बढ़ाने की एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। वर्ष 2015 की तुलना में, अब भारत में उपयोग किए जा रहे 99.2 प्रतिशत मोबाइल बढ़ेडेर भारत में ही नियात है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

हमें इस बात पर विचार करने की जिक्र करते हुए योजना के अनुभव हमत्वपूर्ण हो गयी है।

धनबाद/बोकारो/बेटमो

25 जून से गांव
चलो अभियान शुरू
करने पर हुई चर्चा

करगली(बरमो)। बीते आर्मी (गार्ड एक्ट विवाद) कुपुरो नगर करियरी की बैठक होई फूटक गाउड में आयोजित हुई। इसकी अस्थायत नगर अस्थाय नगर द्वारा दिवाली तथा संघालन मीडिया प्रमाणी निवास कुमार ने किया। बैठक में भीम आर्मी स्पाइकर चन्द्रशेखर आजाद एवं ज्ञानराम प्रदेश अस्थाय संघरय सरियां के दिवालीरेता के अनुसार 25 जून से गांव चलो अभियान शुरू करने पर वर्षा हुई। साथी ही 20 जूलाई को भीम आर्मी के साथी राष्ट्रीय अस्थाय दिवाली तथा दिवाली ताजा जाकर हो रहा है। इसके बोकारो जिला के सभी प्रायांडो से ज्यादा कार्यकर्ता उक्त कार्यक्रम में घुँघुँ कर सफल बनाने पर सहमति रखी। सभी उपरिटी भीम आर्मी के कार्यक्रमों ने बाही बाही से संघरण को जगजूत करने पर चर्चा किया गया। इस बैठक में गृह्य स्वप्न से अस्थाय गोर्खन दिवाली, तिला उपायाद ऐप्स दिवाली, सोहनलाल माझी, शैलेश धानी, दिनेश गुण्डा, विदुष धानी, सोनु धानी, कैलाश महतो, राज नायक, गोहन कर्मा आदि उपस्थित थे।

डीआरएम पर रेल अस्पताल के कर्मी के कपड़े उत्तरवाने का आरोप आक्रोशित कर्मियों ने अस्पताल का काम किया ठप अधिकारियों के समझाने के बाद मामला हुआ शांत, काम पर लौटे कर्मी

आजाद सिपाही संचाददाता

धनबाद। शुक्रवार को धनबाद रेल अस्पताल के कर्मियों ने डीआरएम पर अस्पताल के एक सहकर्मी के कपड़े उत्तरवाने और उसे बार्जशीट की धमकी देने का आरोप लगाते हुए अस्पताल का काम ठप कर दिया और मुख्य गेट पर जाकर धरने में बैठ गए। सूचना मिलते ही रेलवे के वरिय अधिकारी अस्पताल पहुँचे और पूरे मामले की जानकारी लेकर आक्रोशित अस्पतालकर्मियों को समझाने वाली बाही से संघरण को जगजूत करने पर चर्चा किया गया। इस बैठक में गृह्य स्वप्न से अस्थाय गोर्खन दिवाली, तिला उपायाद ऐप्स दिवाली, सोहनलाल माझी, शैलेश धानी, दिनेश गुण्डा, विदुष धानी, सोनु धानी, कैलाश महतो, राज नायक, गोहन कर्मा आदि उपस्थित थे।

यह है पूरा मामला

सह कर्मियों के अनुसार गुरुवार



को डीआरएम कमल किशोर सिन्हा की पांडी रेल अस्पताल दंत विशेषज्ञ के पास गई थी। डॉक्टर केविन के बाहर तैनात कर्मी ने उन्हें नहीं बहचाना और उन्हें डॉक्टर केविन में जाने से पहले चप्पल खोलने को कह दिया। फिर क्या था मैट्डम ने इनकी शिकायत अपने पाते डीआरएम से कर दी जिसके बाद डीआरएम ने देखते हुए अशक्त कर्मीयों को रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके बाद कर्मीयों को रेलवे अस्पताल में लौट गए।

उक्त कर्मी के सहकर्मियों ने अस्पताल का काम बाधित कर

ऐसे हुआ मामला शांत

आक्रोशित कर्मी जब वरिय अधिकारियों की एक सूचने को तैयार नहीं था तब रेल अस्पताल के सीएमएस ने खुद कमान संभाली और आक्रोशित कर्मियों से बात करने लगे। इस दौरान सीएमएस ने उक्त कर्मचारी डिप्रेशन में अस्था और उसकी तबियत बिगड़ गयी। अनन्त फनन में कर्मचारी को रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके बाद कर्मीयों को गुस्सा शांत हो गया और वे अपने अनेक काम पर लौट गए।

दिया और मुख्य गेट के समीप धरने पर बैठ गए थे।

भाजपा ने डॉ श्यामा

प्रसाद मुखर्जी का सपना

साकार किया : बिरंची

बोकारो। शैलेश एकता व अखदारा के

पर्याय, बहान शिवालिंग, प्रद्युम राष्ट्राधारी

और मार्गीया जनसंघ के संस्थानक डॉ

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रुष्टियां आज

बोकारो विधायक विधायी नारायण आजने

आवासीय कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद

मुखर्जी की प्रुष्टियां पर उक्ते के प्रिय प्रद्युमान का प्रतीक बनाए रखा है। इसकी विधायी है। अग्र अपने तो इसके लिए मैं आप से मार्गी मांग लेता हूं। इसके बाद कर्मीयों का

गुस्सा शांत हो गया और वे अपने अनेक काम पर लौट गए।

उक्त कर्मी के सहकर्मियों ने अस्पताल का काम बाधित कर

दिया और मुख्य गेट के समीप धरने पर बैठ गए थे।

भाजपा ने डॉ श्यामा

प्रसाद मुखर्जी का सपना

साकार किया : बिरंची

बोकारो। शैलेश एकता व अखदारा के

पर्याय, बहान शिवालिंग, प्रद्युम राष्ट्राधारी

और मार्गीया जनसंघ के संस्थानक डॉ

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रुष्टियां आज

बोकारो विधायक विधायी नारायण आजने

आवासीय कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद

मुखर्जी की प्रुष्टियां पर उक्ते के प्रिय प्रद्युमान का प्रतीक बनाए रखा है। इसकी विधायी है। अग्र अपने तो इसके लिए मैं आप से मार्गी मांग लेता हूं। इसके बाद कर्मीयों का

गुस्सा शांत हो गया और वे अपने अनेक काम पर लौट गए।

उक्त कर्मी के सहकर्मियों ने अस्पताल का काम बाधित कर

दिया और मुख्य गेट के समीप धरने पर बैठ गए थे।

भाजपा ने डॉ श्यामा

प्रसाद मुखर्जी का सपना

साकार किया : बिरंची

बोकारो। शैलेश एकता व अखदारा के

पर्याय, बहान शिवालिंग, प्रद्युम राष्ट्राधारी

और मार्गीया जनसंघ के संस्थानक डॉ

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रुष्टियां आज

बोकारो विधायक विधायी नारायण आजने

आवासीय कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद

मुखर्जी की प्रुष्टियां पर उक्ते के प्रिय प्रद्युमान का प्रतीक बनाए रखा है। इसकी विधायी है। अग्र अपने तो इसके लिए मैं आप से मार्गी मांग लेता हूं। इसके बाद कर्मीयों का

गुस्सा शांत हो गया और वे अपने अनेक काम पर लौट गए।

उक्त कर्मी के सहकर्मियों ने अस्पताल का काम बाधित कर

दिया और मुख्य गेट के समीप धरने पर बैठ गए थे।

भाजपा ने डॉ श्यामा

प्रसाद मुखर्जी का सपना

साकार किया : बिरंची

बोकारो। शैलेश एकता व अखदारा के

पर्याय, बहान शिवालिंग, प्रद्युम राष्ट्राधारी

और मार्गीया जनसंघ के संस्थानक डॉ

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रुष्टियां आज

बोकारो विधायक विधायी नारायण आजने

आवासीय कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद

मुखर्जी की प्रुष्टियां पर उक्ते के प्रिय प्रद्युमान का प्रतीक बनाए रखा है। इसकी विधायी है। अग्र अपने तो इसके लिए मैं आप से मार्गी मांग लेता हूं। इसके बाद कर्मीयों का

गुस्सा शांत हो गया और वे अपने अनेक काम पर लौट गए।

उक्त कर्मी के सहकर्मियों ने अस्पताल का काम बाधित कर

दिया और मुख्य गेट के समीप धरने पर बैठ गए थे।

भाजपा ने डॉ श्यामा

प्रसाद मुखर्जी का सपना

साकार किया : बिरंची

बोकारो। शैलेश एकता व अखदारा के

पर्याय, बहान शिवालिंग, प्रद्युम राष्ट्राधारी

और मार्गीया जनसंघ के संस्थानक डॉ

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रुष्टियां आज

बोकारो विधायक विधायी नारायण आजने

आवासीय कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद

मुखर्जी की प्रुष्टियां पर उक्ते के प्रिय प्रद्युमान का प्रतीक बनाए रखा है। इसकी विधायी है। अग्र अपने तो इसके लिए मैं आप से मार्गी मांग लेता हूं। इसके बाद कर्मीयों का

गुस्सा शांत हो गया और वे अपने अ



वेदांत एल्यूमीनियम को हल्दिया पोर्ट काम्पलेक्स ने सर्वोच्च निर्यातिक पुरस्कार से सम्मानित किया

आजाद सिपाही संचाददाता

भुवनेश्वर झारसुगड़ा। भारत के सबसे बड़े एल्यूमीनियम उत्पादक वेदांत एल्यूमीनियम को श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट (पूर्व में कोलकाता पोर्ट ड्राट) द्वारा हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स के माध्यम से बीस कुट समतुल्य इकाइयों (टीईयू) में कंटेनरीकृत कारों के उच्चतम निर्यातिक के रूप में मान्यता दी गयी है। वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी को इस उपलब्धि के लिए हाल ही में कोलकाता में आयोजित किए गए व्यापार समारोह में बद्रगाह जहाज और जलमार्ग मंत्री शान्तु ठाकुर द्वारा सम्मानित किया गया था।

लॉजिस्टिक्स, कार्गो हैंडलिंग, मल्टी-मॉडल दक्षता और बंदरगाहों तक व्यापक कंटेनरिटी में असाधारण क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया है। वेदांत एल्यूमीनियम, झारसुगड़ा को 30 से अधिक देशों और 50



बंदरगाहों में 6100 टीईयू का उपयोग करके 1.4 लाख टन से अधिक कंटेनरीकृत कारों की सफलतापूर्वक शिपिंग के लिए पुरस्कार मिला। एकवार्ष 23 के दौरान दुनिया वाले उपलब्धि कंपनी के मैक इन इंडिया फॉर ड वल्डॉ बढ़िकों पर आधारित है, जो वैश्वक मंच पर भारत की

विनिर्माण शक्ति के ध्वजवाहक के रूप में इसकी भूमिका का उदाहरण है। इस उपलब्धि के माध्यम से वेदांत एल्यूमीनियम ने भारत की निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने और मूल्यवान वैश्वक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। कंपनी के प्रवास प्रधानमंत्री गति शक्ति झारसुगड़ा और श्यामा प्रसाद

मुखर्जी बंदरगाह के बीच सहयोगात्मक प्रयासों को मान्यता देता है। इस प्रतिष्ठित पुस्तक पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वेदांत लिमिटेड, झारसुगड़ा के सौइंओ सुनील गुप्ता ने कहा कि वेदांत एल्यूमीनियम एक राष्ट्र-निर्माता और हमारे देश की विनिर्माण शक्ति के ध्वजवाहक के रूप में अपनी भूमिका को पहचानता है। इसलिए यह पुरस्कार गुणवत्ता, नवाचार और वैश्वक ग्राहक संगठित के उच्चतम मानकों का प्रतिनिधित्व करने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता के अंतर्गत व्यापारियों ने रेल विहार चंद्रशेखरारु भुवनेश्वर में आयोजित योग सत्र में भाग लिया। व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर अच्छे स्वास्थ्य का महत्व बहुत गुरुत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। मंचेश्वर कैरिज रिपर वर्क्सोप, कोंचिंग डिपो और विभिन्न शाखा कार्यालयों जैसे अन्य रेलवे के महिल कल्याण संगठन के सदस्यों ने भी अध्यक्ष दिव्या शाश्वात् के नेतृत्व में इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधान मुख्यमंत्रिक अधिकारी तुषार कांति ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 का समन्वय किया।

योग शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का सबसे अच्छा तरीका : मनोज शर्मा



आजाद सिपाही संचाददाता

शक्ति के साथ एक स्वस्थ और भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इसके माध्यप्रबंधक मनोज शर्मा के नेतृत्व में एक टरेटर वर्क्सोप ने बहारी अटूट लिमिटेड, झारसुगड़ा के सभी व्यापारियों ने रेल विहार चंद्रशेखरारु भुवनेश्वर में आयोजित योग सत्र में भाग लिया। मंचेश्वर कैरिज रिपर वर्क्सोप, कोंचिंग डिपो और विभिन्न शाखा कार्यालयों जैसे अन्य रेलवे के महिल कल्याण संगठन के सदस्यों ने भी अध्यक्ष दिव्या शाश्वात् के नेतृत्व में इस कार्यक्रम में भाग लिया। पूर्व तट रेलवे के महिल कल्याण संगठन के सदस्यों ने भी अध्यक्ष दिव्या शाश्वात् के नेतृत्व में इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधान मुख्यमंत्रिक अधिकारी तुषार कांति ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 का समन्वय किया।

नबरंगपुर अतिरिक्त उप जिलापाल के घर पर विजिलेंस की रेड तीन करोड़ से अधिक कैश मिला

आजाद सिपाही संचाददाता

भुवनेश्वर। राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है। आये दिन कोई न कोई सरकारी विजिलेंस के जाल में फँस जाता है। इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आयी है। जानकारी के मुताबिक नबरंगपुर अतिरिक्त उप जिलापाल के घर पर विजिलेंस ने छापेरारी की है। विजिलेंस ने प्रशांत कुमार राजत पर आयोजित संघर्ष पर अधिक संघर्ष के अंतर्गत करने के आरोप पर विशेष न्यायाधीश विजिलेंस सुन्दरगढ़ द्वारा जारी सर्च वारंट के आधार पर ओडिशा विजिलेंस द्वारा नौ स्थानों पर एक साथ घर की तलाशी ली जा रही है।

भुवनेश्वर कानन विहार में



स्थित दो मंजिला आवासीय मकान, नवरंगपुर में स्थित आवासीय भवन, नवरंगपुर में स्थित कार्यालय, भद्रक में स्थित पैतृक आवास, इसके अलावा श्री राजत के परिचितों के 5 अन्य ठिकानों पर भी तलाशी ली जा रही है। ओडिशा विजिलेंस की नौ

टीमों में जो अतिरिक्त एसपी, सात डीएसएसपी, आठ इंसेप्टर और अन्य स्टाफ तलाशी में लगे हुए हैं।

श्री राजत के भुवनेश्वर आवास से लगभग 2.25 करोड़ रुपये, नवरंगपुर आवास से लगभग 89.5 लाख रुपये, कुल 3 करोड़ 16 लाख 50 हजार रुपये नकद मिले हैं। सामाचार लिखे जाने तक तलाश जारी रही। गौरतलब है कि प्रशांत पहले सुन्दरगढ़ जिले के बिहारी ब्लॉक में वीडियो के पर पर कार्यरत थे। इसी दौरान बिरापाणी पंचायत के एक अधिकारी से 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था।

स्थित दो मंजिला आवासीय मकान, नवरंगपुर में स्थित आवासीय भवन, नवरंगपुर में स्थित कार्यालय, भद्रक में स्थित पैतृक आवास, इसके अलावा श्री राजत के परिचितों के 5 अन्य ठिकानों पर भी तलाशी ली जा रही है। ओडिशा विजिलेंस की नौ

टीमों में जो अतिरिक्त एसपी, सात डीएसएसपी, आठ इंसेप्टर और अन्य स्टाफ तलाशी में लगे हुए हैं। श्री राजत के भुवनेश्वर आवास से लगभग 2.25 करोड़ रुपये, नवरंगपुर आवास से लगभग 89.5 लाख रुपये, कुल 3 करोड़ 16 लाख 50 हजार रुपये नकद मिले हैं। सामाचार लिखे जाने तक तलाश जारी रही। गौरतलब है कि प्रशांत पहले सुन्दरगढ़ जिले के बिहारी ब्लॉक में वीडियो के पर पर कार्यरत थे। इसी दौरान बिरापाणी पंचायत के एक अधिकारी से 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था।

संचालित नैनोसाइंस और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख के रूप में भी काम किया है। वह सिंगापुर के नेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया के मलीमीडिया यूनिवर्सिटी, अमेरिका के वाशिंगटन विज्ञान वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया है। इन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के लिए ग्राहीय स्तर पर 10वां और रासायनिक विज्ञान के लिए 34वां स्थान दिया गया है।

सोआ के पहले कुलपति के रूप में कार्यभार संभालने वाले प्रोफेसर दास और इलेक्ट्रिकल

इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख के रूप में भी काम किया है। वह सिंगापुर के नेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया के मलीमीडिया यूनिवर्सिटी, अमेरिका के वाशिंगटन विज्ञान वैज्ञानिक के रूप में काम किया है। प्रोफेसर दास और प्रोफेसर परिडा दोनों को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित तुनिया के शोध 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों का सूची में भी नामित किया गया है।

सोआ के पहले कुलपति के रूप में कार्यभार संभालने वाले प्रोफेसर दास ने एनआईटी राउरकेला में इलेक्ट्रिकल

इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख के रूप में भी काम किया है। वह सिंगापुर के नेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया के मलीमीडिया यूनिवर्सिटी, अमेरिका के वाशिंगटन विज्ञान वैज्ञानिक के रूप में काम किया है। प्रोफेसर दास और प्रोफेसर परिडा दोनों को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित तुनिया के शोध 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों का सूची में भी नामित किया गया है।

मीशो ने 'टाइम' मैगजीन की 2023 की सबसे प्रभावशाली कंपनियों की सूची में जगह बनायी

आजाद सिपाही संचाददाता

नयी दिल्ली/भुवनेश्वर। भारत के एकमात्र दूई-कॉर्मस मर्केटप्लेस, मीशो ने 2023 के लिए दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों की टाइम सूची में जगह बनायी है। इस लिस्ट में भारत की ई-कॉर्मस प्लॉटकॉर्म मीशो सहित नैशनल पेंटेंडस कोरियों को भी नवाचार, महत्वाकांश और कंपनी की सफलता दर्शाता है। इस लिस्ट के तहत खबरों के लिए जिमेदार, राज्य समन्वय संपादक : हरिनारायण सिंह, स्थानीय संपादक * : विनोद कुमार, ***वीआरबी एन्टर के तहत खबरों के लिए जिमेदार, राज्य समन्वय संपादक : अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों एवं दीर्घ विवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रोची व्यालाय में रहे। फोन : 9264434560, R.N.I. No.-JAHIN/2015/65109, Postal Registration No. RN/249/2019-21

के ई-कॉर्मस परिवहन पर असाधारण प्रभाव डाला है। इस लिस्ट के तहत खबरों के लिए जिमेदार, राज्य समन्वय संपादक : हरिनारायण सिंह, स्थानीय संपादक * : विनोद कुमार, ***वीआरबी एन्टर के तहत खबर